



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-02-2025

कानपुर-देहात(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-02-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-03-01	2025-03-02	2025-03-03	2025-03-04	2025-03-05
वर्षा (मिमी)	1.0	8.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	31.0	31.0	32.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	18.0	17.0	16.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	83	82	81	69	68
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	38	39	44	40	39
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	9	7	3	9
पवन दिशा (डिग्री)	93	21	317	297	282
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	2	0	1	1
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफान आदि	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के कारण दिनांक 01 से 02 मार्च, 2025 के बीच स्थानीय स्तर पर तेज हवाएं, आंधी और बिजली गिरने, ओलावृष्टि के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 31.0- 32.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक होने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 16.0-19.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो है। सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 68-83 और 38-44% के बीच है। हवा की दिशा उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम है और हवा की गति 3.0-9.0 किमी प्रति घंटे के बीच है और हवाएं सामान्य से 4.0-5.0 किमी प्रति घंटे की तेज गति से चलने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण दिनांक 01 से 02 मार्च, 2025 के मध्य हल्की से मध्यम वर्षा के साथ स्थानीय स्तर पर तेज हवाएं, आंधी-तूफान, बिजली गिरने, ओलावृष्टि होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

बर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें तथा गेहूं की खड़ी फसलों में सिंचाई और जायद मक्का, उड़द तथा ग्रीष्मकालीन सब्जियों की बुआई स्थगित कर दें, साथ ही अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी की उचित व्यवस्था करें।

सामान्य सलाहकार:

प्याज में थ्रिप्स कीट एवं बैंगनी धब्बा रोग के संक्रमण की रोकथाम के लिए नियमित रूप से फसलों पर निगरानी रखने की सलाह दी जाती है। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए अलग या उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों को स्प्रे या स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

बर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं एवं सब्जियों की फसलों में सिंचाई और जायद मक्का, उड़द और ग्रीष्मकालीन सब्जियों की बुवाई का कार्य स्थगित रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा सिंचाई का कार्य स्थगित रखें। किसानों को सलाह दी जाती है कि गेहूँ की फसल में चौथी सिंचाई 80-85 दिन बाद (बाली निकलने के पूर्व) करें। गेहूँ की फसल में चूहों का प्रकोप दिखाई देने पर जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्युमिनियम फास्फाइड की टिकिया का प्रयोग करें। चूहों की रोकथाम के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करें।
सरसों	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा सिंचाई और कीटनाशी का कार्य स्थगित रखें। सरसों की फलियाँ 75 % सुनहरे रंग की हो जाने पर फसल की कटाई करें। सरसों के फसल की कटाई के बाद फसल को सूखा कर मड़ाई करने के पश्चात बीज को अलग कर लें।
फील्ड पी	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा कीटनाशी का कार्य स्थगित रखें। मटर की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा कीटनाशी का कार्य स्थगित रखें। चने की फसल में फली छेदक कीटों का प्रकोप होने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी @ 2 लीटर प्रति हेक्टेयर या इमामेक्टिन बेंजोएट 5% 180- 200 ग्राम प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
मक्का	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई का कार्य स्थगित रखें। जायद मक्के की संस्तुति संकुल प्रजातियां- तरूण, नवीन, माही, कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं शंकर प्रजातियां- प्रकाश, दिकाल्ब- 7074, दिकाल्ब- 9108,दिकाल्ब- 9208, दिकाल्ब- 9141, दिकाल्ब- 9165, दिकाल्ब- 9217, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-१३३ आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए २०-२५ किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति १८-२० किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
काला चना	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई का कार्य स्थगित रखें। जायद उर्द की संस्तुति जातियां- टा-9 , नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-1, आजाद उर्द-2, शेखर-2,सुजाता , पी यू-40 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। जायद उर्द के फसल की बुवाई के लिए २५-३० किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बीज की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। आलू के फसल की खुदाई के 15-20 दिन पूर्व फसल की लॉक को काट दे, जिससे कन्द के छिलके मजबूत हो जाय और आलू के सड़ने की संभावना कम हो जाती है।
भिण्डी	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा बुवाई का कार्य स्थगित रखें। प्याज की फसल में बैंगनी धब्बा रोग का प्रकोप 28 - 30 डिग्री सेल्सियस तापक्रम तथा 80 - 90 % सापेक्षिक आर्द्रता की स्थिति पर यह रोग अधिक प्रभावित होता है अतः इसके रोकथाम हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.3 % (3 ग्राम /लीटर पानी) अथवा मैकोजेब 0.25 % (0.25 ग्राम /लीटर पानी) की दर से घोलबनाकर 15 -20 दिन के अन्तराल पर 3-4 छिड़काव करें। ग्रीष्म कालीन मौसम में बोई जाने वाली सब्जियों जैसे- भिण्डी, तोरी, खीरा, करेला, लौकी एवं कद्दू आदि की बुवाई करें।
आम	वर्षा की सम्भावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे आम के पौधों में कीटनाशी एवं रोगनाशी के छिड़काव का कार्य स्थगित रखें, आम के बौर में मिज कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है। अतः इसके रोकथाम हेतु फेनिट्रोथियान 1.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के बागों में भुनगा एवं लस्सी कीट प्रकोप दिखाई देने के आसार है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई सी 2.0 मिलीलीटर या फेनिट्रोथियान 50 ई सी 3.0 मिलीलीटर/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	पशुओं के व्याने के बाद 750 ग्राम सरसो का तेल, 100 ग्राम हल्दी, 50 ग्राम सोंठ, 50 ग्राम जीरा , 500 ग्राम गुड़ के मिश्रण की ओटी बनाकर सुबह - शाम तीन दिन तक खिलाये। वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें, जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण दिनांक 01 से 02 मार्च, 2025 के मध्य हल्की से मध्यम वर्षा के साथ स्थानीय स्तर पर तेज हवाएं, आंधी-तूफान, बिजली गिरने, ओलावृष्टि होने की संभावना है।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सरसों और आलू जैसी परिपक्व फसलों की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें तथा गेहूं की खड़ी फसलों में सिंचाई और जायद मक्का, उड़द तथा ग्रीष्मकालीन सब्जियों की बुआई स्थगित कर दें, साथ ही अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी की उचित व्यवस्था करें।
--